कृषि क्षेत्र के लिये पहल

[स्रोत: पी.आई.बी.]

हाल ही में कृषि मंत्रालय ने तीन पहलें शुरू की हैं, ये पहलें हैं- **किसान ऋण पोर्टल (KRP), KCC घर-घर अभियान और मौसम सूचना नेटवर्क डेटा सिस्टम** (Weather Information Network Data Systems- WINDS) पर मैनुअल।

- इन पहलों का उद्देश्य कृषि में क्रांति लाना, वित्तीय समावेशन को बढ़ाना, डेटा उपयोग को अनुकूलित करना और देश भर में किसानों के जीवन में सुधार करना है।

पहल के प्रमुख बिंदु:

- **किसान ऋण पोर्टल (KRP):**
  - इसे **कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय,** वित्त मंत्रालय, पशुपालन और डेयरी विभाग (DAH&D), RBI एवं नाबार्ड के सहयोग से विकसित किया गया है, KRP का उद्देश्य किसान क्रेडिट कार्ड के तहत ऋण सेवाओं तक पहुँच में क्रांति लाना है।
  - इसका उद्देश्य किसानों को **संशोधित ब्याज अनुदान योजना** (Modified Interest Subvention Scheme- MISS) के माध्यम से **रियायती कृषि ऋण प्राप्त करने में भी मदद करना है।**
  - कृषि ऋण पोर्टल (KRP) एक एकीकृत केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो **किसान डेटा, ऋण वितरण की विशिष्टताओं, ब्याज अनुदान के दावों और योजना उपयोग** की प्रगति का व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है।
- **घर-घर KCC अभियान:**
  - यह अभियान **सार्वभौमिक** वित्तीय समावेशन के लिये कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है तथा यह सुनिश्चित करता है कि **बिना किसी बाधा के प्रत्येक किसान की पहुँच क्रेडिट सुविधाओं तक** हो ताकि वे अपनी कृषि गतिविधियों को सुगमता से संचालित कर सकें।
    - 1 अक्तूबर, 2023 से 31 दिसंबर, 2023 तक चलने वाला यह अभियान पात्र **पीएम किसान के लाभार्थियों के बीच KCC खातों की संतृप्ति को** लक्षित करता है।
  - मंत्रालय ने पीएम किसान डेटाबेस के खिलाफ मौजूदा KCC खाताधारकों के आँकड़ों की पुष्टि की है, जो KCC खातों और बिना खाता वाले व्यक्तियों की पहचान करते हैं।
    - अभियान का **उद्देश्य गैर KCC खाताधारक** पीएम किसान **लाभार्थियों तक पहुँचना** और KCC योजना में उनके निर्बाध एकीकरण की सुविधा प्रदान करना है।
- **WINDS मैनुअल लॉन्च:**
  - WINDS पहल एक प्रयास है जिसका उद्देश्य तालुक/ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तरों पर स्वचालित **मौसम विज्ञान केंद्रों एवं वर्षा गेज का एक नेटवर्क स्थापित करना है।**
  - इस पहल का उद्देश्य विभिन्न कृषि सेवाओं का समर्थन करते हुए **चरम स्थानीय मौसमी घटनाओं के आँकड़े/हाइपर-लोकल वेदर डेटा का एक मज़बूत डेटाबेस** बनाना है।
  - लॉन्च किया गया व्यापक WINDS मैनुअल **हितधारकों को** पोर्टल की कार्यक्षमता, डेटा विश्लेषण और **प्रभावी उपयोग की गहन समझ प्रदान करता है।**
    - यह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को **WINDS प्लेटफॉर्म** की स्थापना एवं **एकीकरण** के लिये मार्गदर्शन प्रदान करता है।
    - इसके अतिरिक्त यह बेहतर फसल प्रबंधन, संसाधन आवंटन और जोखिम शमन के लिये मौसम डेटा का लाभ उठाने में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

कृषि से संबंधित विभिन्न पहल:

- उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिये मिशन जैविक मूल्य शृंखला विकास (MOVCDNER)
- सतत् कृषि पर राष्ट्रीय मिशन
- परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY)
- कृषि वानिकी पर उप-मिशन (SMAF)
- **राष्ट्रीय कृषि विकास योजना**

- एग्रीस्टैक (AgriStack)
- डिजिटल कृषि मिशन
- एकीकृत किसान सेवा मंच (UFSP)
- कृषि में राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (NeGP-A)

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष प्रश्न

प्रश्न. किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत निम्नलिखित में से किन-किन उद्देश्यों के लिये कृषकों को अल्पकालीन ऋण समर्थन उपलब्ध कराया जाता है? (2020)

1. फार्म परिसंपत्तियों के रखरखाव हेतु कार्यशील पूंजी के लिये
2. कंबाइन कटाई मशीनों, ट्रैक्टरों एवं मिनी ट्रकों के क्रय के लिये
3. फार्म परिवारों की उपभोग आवश्यकताओं के लिये
4. फसल कटाई के बाद के खर्चों के लिये
5. पारिवार के लिये घर निर्माण तथा गाँव में शीतागार सुविधा की स्थापना के लिये

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1, 2 और 5
(b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2, 3, 4 और 5
(d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) योजना वर्ष 1998 में किसानों को उनकी खेती और अन्य ज़रूरतों जैसे- कृषि आदानों की खरीद, बीज, उर्वरक, कीटनाशक आदि एवं अपनी उत्पादन आवश्यकताओं के लिये नकदी निकालने जैसी लचीली और सरलीकृत प्रक्रिया के साथ एकल खिड़की के तहत बैंकिंग प्रणाली से पर्याप्त तथा समय पर ऋण सहायता प्रदान करने के लिये शुरू की गई थी।
- किसानों की निवेश ऋण आवश्यकता अर्थात् संबद्ध और गैर-कृषि गतिविधियों के लिये इस योजना को वर्ष 2004 में आगे बढ़ाया गया था।
- KCC निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ प्रदान किया जाता है:
  - फसलों की खेती के लिये अल्पावधि ऋण आवश्यकताएँ,
  - फसल कटाई के बाद का खर्च, अतः कथन 4 सही है।
  - उत्पादन विपणन ऋण,
  - किसान परिवार की उपभोग आवश्यकताएँ, अतः कथन 3 सही है।
  - कृषि परिसंपत्तियों और कृषि से संबद्ध गतिविधियों जैसे- डेयरी पशु, अंतर्देशीय मत्स्य पालन आदि के रखरखाव के लिये कार्यशील पूंजी, अतः कथन 1 सही है।
  - कृषि और संबद्ध गतिविधियों जैसे- पंपसेट, स्प्रेयर, डेयरी पशु आदि के लिये निवेश ऋण की आवश्यकता। हालाँकि यह खंड दीर्घकालिक ऋण सीमा सुनिश्चित करता है।
- KCC योजना वाणिज्यिक बैंकों, RRB, लघु वित्त बैंकों और सहकारी समितियों द्वारा कार्यान्वित की जाती है।
- कंबाइन हार्वेस्टर, ट्रैक्टर और मिनी ट्रकों की खरीद एवं परिवार के लिये घर के निर्माण तथा गाँव में कोल्ड स्टोरेज सुविधा की स्थापना हेतु किसानों को अल्पकालिक ऋण सहायता नहीं दी जाती है। **अतः कथन 2 और 5 सही नहीं हैं।**
- **अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/initiatives-for-agriculture